अध्याय 4

सर्वनाम

संज्ञा के बदले प्रयुक्त होखे वाला शब्द के सर्वनाम कहल जाला जइसे-हम, तू, ऊ, रउआ, केहू, कवन वगैरह।

हिन्दी व्याकरण में कामता प्रसाद गुरु सर्वनाम के परिभाषा देले बाड़न, सर्वनाम ओह विकारी शब्द के कहल जाला जवन पूर्वापर संबंध से कवनो संज्ञा के बदला में आवेला, जइसे-हम, तू, यह, वह वगैरह बाकिर पूर्वापर संबंध से सर्वनाम खाली संज्ञा के बदले ना आवे, बल्कि ऊ वाक्यन, उपवाक्यन आ वाक्यांशनो के बदले प्रयुक्त होला, जइसे- 'आदमी के ईमानदार होखे के चाहीं, ई उत्तम विचार बा।' बिआह गुड़िया के खेल ना, ई जनम-जनम के बन्धन होला।' एह दूनों उदाहरण में 'ई' सर्वनाम पहिला में वाक्य के आ दूसरा में वाक्यांश के बदले प्रयुक्त बा। एह तरह से ऊ सब विकारी चाहे अविकारी शब्द जवना के प्रयोग पूर्वापर प्रसंग के आधार पर संज्ञा, वाक्य, उपवाक्य चाहे वाक्यांश के प्रतिनिधि के रूप में कइल जाला, ओकरा के सर्वनाम कहे के चाहीं। बाकिर प्राय: हर व्याकरण में सर्वनाम ओही शब्द खातिर रूढ़ बा जवन केहू नाम (संज्ञा) के प्रतिनिधि होखे।

भोजपुरी सर्वनाम के भेद :

भोजपुरी में प्रयोग के आधार पर सर्वनाम के छव गो भेद होला-पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक आ निजवाचक।

(1) पुरुषवाचक

कहेवाला (वक्ता), सुनेवाला (श्रोता) आ जेकरा बारे में कहल जाव, ओह सब के व्याकरण में पुरुष कहल जाला। एह से जवना शब्दन से कहेवाला, सुने वाला भा जेकरा बारे में कहल जाय ओकर बोध होखे, ओकरा के पुरुषवाचक सर्वनाम कहल जाला। एह तरह से पुरुष वाचक सर्वनाम तीन तरह के होला-उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष आ अन्य पुरुष। कहेवाला उत्तम पुरुष, जइसे-हम, हमनी, हम सब, हमनी सब, सुनेवाला मध्यम पुरुष, जइसे-तें, तू, तू लोग, तहन लोग, तहनी का आ जेकरा विषय में कहल जाव ऊ अन्य पुरुष, जइसे-ऊ, ऊ लोग आदि। भोजपुरी में मध्यम पुरुष सर्वनाम तँ, तू, तँ लोग आदि के स्थान पर आदरसूचक शब्द रउआ, रउरा, रउआलोग, रउरालोग, रउरा सब, रउआ सब के प्रयोग कइल जाला। ओइसहीं अन्यपुरुष में आदर सूचक उहाँका, उहाँके, इहाँ का, इहाँ के, उहाँ सभन, इहाँ सभन के प्रयोग होला।

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम

जवना सर्वनाम से वक्ता के नजदीक चाहे दूर के कवनो निश्चित वस्तु के बोध होखे, ओकरा के निश्चयवाचक सर्वनाम कहल जाला। नियरा (नजदीक) चाहे दूर के वस्तु के आधार पर एकर दूगो भेद कइल जाला। **निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम**, जइसे-ई, ई लोग, इन्हन लोग, ई सभ इनकर, इन्हकर, इन्हकरा लोगन के, एह लोगन के, एकर आदि आ दूरवर्ती **निश्चयवाचक सर्वनाम**, जइसे-ऊ, ऊ लोग, ऊ सब, उलोग, उहाँ सभन, उन सब, उनका, उनके, उनकरा, उन्हका, ओकरा, ओकर, ओह लोगन के आदि।

(3) अनिश्चय वाचक सर्वनाम

जवना सर्वनाम से कवनो निश्चित वस्तु के बोध ना होखे, ओकरा के अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहल जाला, जइसे-केहू, कुछऊ, कुछ, कवनो, किछु आदि।

(4) प्रश्नवाचक सर्वनाम

जवना सर्वनाम से प्रश्न करे के बोध होला, ओकरा के प्रश्नवाचक सर्वनाम कहल जाला, जइसे-कवन, के, का, कथी, केकर, केकरा, किनकर वगैरह। के-के, कवन-कवन, कइसे-कइसे, केकर-केकर, कथी-कथी वगैरह द्विरूक्ति से बहुत्वबोधक प्रश्नवाचक सर्वनाम बनेला।

(5) संबंधवाचक सर्वनाम

जवना सर्वनाम से वाक्य में कवनो दूसर सर्वनाम से संबंध स्थापित कइल जाव, ओकरा के संबंधवाचक सर्वनाम कहल जाला, जइसे- जे, से।

(6) निजवाचक सर्वनाम

जवना सर्वनाम से निजता मतलब अपनापन के बोध होला, ओकरा के निजवाचक सर्वनाम कहल जाला। जइसे-अपने (स्वयं)

भोजपुरी के आदर सूचक शब्द ''रउआ'' के उच्चारण कहीं-कहीं ''रावा'' आ ''रउरा'' भी होला। डॉ॰ उदय नारायण तिवारी भोजपुरी के आदरसूचक सर्वनाम ''राउर'' के उत्पत्ति प्राकृत लाउल से भइल बा (''लाउल'' : प्रबोधचन्द्रोदय'' नाटक में प्रयुक्त भइल बा।) संस्कृत में एकर रूप राजकुल भा राजकुल्य होई। भोजपुरी में आदरसूचक सर्वनाम

राउर के अलावे आप, अपना आपन, अपने के प्रयोग होला, जइसे–हम आप से कहलीं, हम अपने से कहलीं, हम अपने के नेवता देहलीं आदि।

बोध प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'हम' कवन सर्वनाम ह ?

(क) उत्तम पुरुष (ख) मध्यम पुरुष
(ग) अन्य पुरुष (घ) महापुरुष

2. मध्यम पुरुष के कोटि में आवेलें

(क) कहेवाला (ख) सुनेवाला
(ग) रोवेवाला (घ) गावेवाला

3. 'जे, से' कवन सर्वनाम ह–

(क) सम्बन्धवाचक (ख) प्रश्न वाचक
(ग) पुरुष वाचक (घ) निश्चय वाचक

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सर्वनाम के परिभाषा देत ओकरा भेदन के नाम लिखीं।
2. भोजपुरी के उत्तम पुरुष चाहे मध्यम पुरुष सर्वनाम के रूपावली लिखीं।

दीर्घ उत्तरीय

1. सर्वनाम के परिभाषा दीं आ ओकरा भेदन के उदाहरण सहित परिचय दीं।